बी. ए. प्रथम वर्ष – हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र– (आदिकाल और भक्तिकाल)

पूर्णांक 100 न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

1. **ढोला मारू रा दोहा**–सम्पादक– नरोत्तम दास स्वामी

   दोहा संख्या– 119 से 133

2. **विद्यापति**–सम्पादक शिवप्रसाद सिंह

   नन्दक नन्दन–विद्यापति पदावली

   सुन जसिया ऊबन बजाऊ बिपिन बसिया

   विरह व्याकुल मृदुल तरूतर

   कुंज भवन से चल भेलि हे

   सखि हे कतऊं न देख मधाई

3. **बीसदेव रास**– सम्पादक ब्रजनारायण पुरोहित

   (ऋचा इण्डिया पब्लिशर्स, बिस्सो का चौक, बीकानेर से)

   पद संख्या 2. दुसरइ कडवइ गणपति जाइ.....

   3. हंस वाहिणी देवी करि धारइ वीण.....

   4. नालह रसायण रस भरि गम्ह.....

   11. देस मालव मा हे नगरी धार.....

   12. नाल्ह वखाणइ नगरजु धार.....

   28. बामण–भाट आया अजमेर.....

   50. मिली सहेली कीजइ बात.....

   54. जोवइ राजमती कउ वींद.....

4. **कबीर दास** कबीर ग्रंथावली सम्पादन– श्यामसुन्दर दास

   विरह को अंग साखी सं. 7, 8, 9, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

Helpstudentpoint.com

Dy. Registrar
Academic
University of Raj

पंडित वाद वदन्ते झूठा

कोई जाणैगा जाणनहारा

न जाने मिलन गोपाला

5. **सूरदास** सूरसागर सार– सं. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा

पद ऊधो अखियां अति अनुरागी

उपमा एक न नैन गही

ऊधो मन नाहीं दस–बीस

निर्गुण कौन देस को वासी

हमारे हरि हारिल की लकरी

उर में मारवन चोर गड़े

मधुकर श्याम हमारे चोर

ऊधो भली करी ब्रज आए

बिन गोपाल बैरिन भई कुंजै

लखियत कालिन्दी अति कारी

6. **तुलसीदास** कवितावली– गीता प्रेस गोरखपुर

छंद पुरते निकसी रघुवीर वधू

जल को गए लक्खन है लरिका

रानी मैं जानि अजानी महा

सुन सुन्दर बैन सुधारस साने

कोपि दशकंध तव प्रलय पयोध बोले

पावक् पवन, पानी भानु हिम कातु जम्मु

गजबाजि घटा भलै भूरि मरा

राज सुरेस पचासक कौ, विधि के मसक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com

7. जायसी – जायसी ग्रंथावली सं.– रामचन्द्र शुक्ल
   सिंहलद्वीप वर्णन खण्ड, प्रारम्भ के 5 अंश
   सिंहल द्वीप कथा अब गांउ..... भासा लेहि दई कर नाभु
8. मीराँ – मीराँ मुक्तावली सं.– नरोतम स्वामी
   पद संख्या – 14, 15, 16, 20, 23, 28, 31, 32
9. रसखान – रसखान रचनावली सं. विद्यानिवास मिश्र
   सुजान रसखान अंश से प्रथम 8 छंद

अंक विभाजन
कुल चार व्याखाएँ
(एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 4 x 9 = 36
कुल चार निबंधात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 4 x 14 = 56
दो टिप्पणियाँ – आदिकाल और भक्तिकाल की प्रवृत्तियो से 2 x 4 = 08 (आन्तरिक विकल्प देय)

बी.ए. प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र (कहानी और गद्य की अन्य विधाएँ)

पूर्णांक 100 **न्यूनतम उत्तीर्णांक 36**

खण्ड क

कहानी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
प्रेमचन्द	–	नमक का दरोगा
जय शंकर प्रसाद	–	मधुवा
जैनेन्द्र	–	पजेब
यशपाल	–	खच्चर और आदमी
निर्मल वर्मा	–	पिक्चर पोस्टकार्ड
मोहन राकेश	–	मलबे का मालिक
मन्नू भण्डारी	–	सजा
शेखर जोशी	–	दाज्यू
रांगेय राघव	–	गदल

खण्ड ब

गद्य की अन्य विधाएँ

संस्मरण	–	अज्ञेय	–	बसन्त के अग्रदूत : निराला
यात्रा	–	धर्मवीर भारती	–	ठेले पर हिमालय
आत्मवृत	–	शानी	–	गर्दिश के दिन
रेखाचित्र	–	महादेवी वर्मा	–	सोना
रिपोर्ताज	–	रांगेय राघव	–	अदम्य जीवन
व्यंग्य	–	हरिशंकर परसाई	–	ठिठुरता हुआ गणतंत्र

खण्ड – स

कहानी स्वरूप और परिभाषा
कहानी का विकास
गद्य की कथेतर विधाओं का विकास

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएँ कहानी खण्ड से दो व्याख्याएँ गद्य की विधाएँ खण्ड से 09 x 04= 36

चार आलोचनात्मक प्रश्न – (खण्ड अ व ब मे से) 04 x 14 = 56
दो टिप्पणियाँ – (खण्ड स में से (आन्तरिक विकल्प देय) 02 x 04 = 08

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

Helpstudentpoint.com